NH Debate - 18

भैया कहने का रिवाज और औरत

एक समाज शादी से पहले भैया कहने की वकालत करता है तो दूसरा शादी के बाद, इनमें सही कौनसा?

हरियाणा के कुछ समाजों (खासकर ग्रामीण पृष्ठभूमि के) में शादी से पहले खुद के गाँव की ३६ जात की लड़की को ३६ जात के लड़कों द्वारा बहन मानने की मान्यता है, वहीँ शादी के बाद वो पति के छोटे भाई (देवर) को दोस्त मानते हुए नाम से पुकारती है तो जेठ को 'जी' कहके सम्बोधन करने का प्रावधान है और पति के दोस्तों को उनके नाम के पीछे 'जी' लगा के| वहीँ कुछ समाजों में शादी से पहले किसी को भैया कहना गंवारपना माना जाता है शायद इसलिए वो सबको दोस्त कहती हैं, जबकि शादी के बाद सब उनके "भैया या भाई साहब" हो जाते हैं? देखा जाए तो गाँव में शादी से पहले जिसकी स्वतंत्रता नहीं थी वो शादी के बाद मिल जाती है, जबकि शहरों में शादी से पहले जिसकी स्वतंत्रता थी वो शादी के बाद छिन जाती है| तो अब यह फैसला कौन करे कि इनमें उत्तम कौन?

कुछ भी हो मकसद दोनों के पीछे एक ही नजर आता है और वो है कि समाज-घर में छेड़-छाड़ और बदनीयति के भय को समाप्त करना, फर्क सिर्फ यह लगता है कि एक समाज को वह भय शादी से पहले ज्यादा लगता है तो शायद दूसरे को शादी के बाद|

Nidana Heights